Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

पहाड़ों के अस्पतालों में चिकित्सकों के पद लंबे अर्से से है खाली

पदों को भरने के लिए शासन को कई बार भेजा जा चुका है पत्र

जिम्मेदार कौन

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ से लगे सीमांत की तहसील क्षेत्रों में वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ केन्द्रों में डॉक्टरों की खासी कमी बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक सीमांत के सामुदायिक स्वास्थ केन्द्रों के अस्पताल में अब तक डॉक्टरों की कमी के चलते गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को बेहतर इलाज मिल पाना वर्तमान में संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में मरीजों के तीरमदारों के सामने चुनौती होती है कि वे अपने बीमार मरीज को जिला मुख्यालय अस्पताल में ले जाकर दिखाने को मजबूर हो रहे है।

जानकारी के मुताबिक गंगोलीहाट में बीस पद स्वीकृत है जबकि छह पद खाली चल रहे है। मूनाकोट बडालू में बारह पद स्वीकृत है जबकि दो पद खाली चल रहे

है। कलानीछीना अस्पताल में पंद्रह पद स्वीकृत है जबकि पांच पद खाली चल रहे है।

धारचूला अस्पताल में बाइस पद स्वीकृत है जबकि एक पद खाली चल रहा है। सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र डीडीहाट में सत्रह पद स्वीकृत है तो ग्यारह पद खाली चल रहे है। बेरीनाग में चौदह पद स्वीकृत है तो पांच पद खाली चल रहे है। वही मुंसयारी में उन्नीस पद स्वीकृत है तो दस पद खाली चल रहे है। अब बात करें सीमांत जनपद के चिकित्सालय बीडी पांडे अस्पताल की तो सीमांत जिले में लंबे समय से बदहाल पड़ी स्वास्थ सेवाओं के लिए मरीज व उनके तीरमदार खासतौर पर परेशान चल रहे है। जिले के सबसे बड़े इस अस्पताल में वर्तमान में विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित बासठ चिकित्सकों के पद वर्तमान में खाली चल रहे है। जिला अस्पताल में चिकित्सकों के चौतीस पद स्वीकृत है। इक्कीस पदों पर नियमित चिकित्सक कार्यरत है।

बता दें कि सबसे बड़े जिले के अस्पताल में बीमरी के इलाज के आने वाले मरीजों के लिए हद्य रोग स्पेलिस्ट ,न्यूरोलाजिस्ट ,रेडियोलाजिस्ट , चर्म रोग विशेषज्ञ के तेरह पद वर्तमान में खासतौर पर खाली पड़े हुए है। ऐसे में जिला मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एचएस हयांकी ने बताया कि सीमांत के अस्पतालों में लंबे समय से चिकित्सक के पद खाली चल रहे है। पदों को भरने के लिए शासन को कई बार पत्र मोदन कर दिया गया है। मगर आज तक शासन से उचित जवाब नहीं आया । वही दूसरी ओर सीमांत जनपद की तहसीलों में डॉ. की किल्लत लंबे समय से बरकरार है। ऐसे में शासन से आदेश जारी होने के बाद ही कुछ कह पाना संभव हो पायेगा।

न्यूज डायरी

अल्मोड़ा में 2419 अभ्यर्थी देंगे सिविल सेवा प्रारंभिक की परीक्षा

संवाददाता अल्मोड़ा। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिले में कुल 12 केंद्र बनाए गए है। इन केंद्रों में पंजीकृत कुल 2419 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिला मुख्यालय में बने 10 केंद्रों में 2039 एवं रानीखेत के दो केंद्रों में 373 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। जिला मुख्यालय के राजकीय इंटर कालेज में 384, राजकीय बालिका इंटर कालेज में 384, अल्मोड़ा इंटर कालेज, आर्य कन्या इंटर कालेज, एडम्स गर्ल्स इंटर कालेज और विवेकानंद इंटर कालेज रानीधारा में 288–288, विवेकानंद बालिका विद्या मंदिर जीवनधाम में 192, राजकीय महिला पालीटेक्निक में 192, सोबन सिंह जीना मिडिल कैंपस में 107 एवंम एसएसजे अपर कैंपस में 12 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। वहीं रानीखेत में राजकीय बालिका इंटर कालेज में 192 तथा मिशन इंटर कालेज में 181 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

कुमाऊं विवि के दीक्षांत समारोह में 58,640 विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधियां

संवाददाता नैनीताल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह(से नि) ने शुक्रवार को डी.बी.एस परिसर में आयोजित कुमाऊं विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि/उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल और उच्च शिक्षा मंत्री ने शैक्षिक सत्र 2019–20 एवं 2020–21 के सामान्य एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के स्नातक एवं परास्नातक स्तर के कुल 58,640 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में जहां 410 विद्यार्थियों को पी.एच.डी की उपाधि प्रदान की गई वहीं स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले 115 विद्यार्थियों को मेडल एवं 5 विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार दिए गए।

पुण्यतिथि पर याद किए गए पंडित जवाहर लाल नेहरू

संवाददाता देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व0 पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने प्रिय नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने स्व0 नेहरू के जीवन पर बोलते हुए कहा कि नेहरू जी सच्चे देशभक्त थे उनके नेतृत्व में देश ने नये आयाम स्थापित किये। माहरा ने कहा कि नेहरू जी के नेतृत्व में देष के विकास को एक नई दिशा मिली। उन्होंने कहा कि वह नेहरू जी ही थे जिन्होंने एक मजबूत भारत की आधारशिला रखी। नेहरू जी के नेतृत्व में देश के अन्दर लोकतंत्र एवं धर्म निरपेक्षता की जड़ें मजबूत हुई।

उपचुनाव के लिए 724 दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं ने किया मतदान

संवाददाता चम्पावत। उपचुनाव के लिए 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं को निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान पार्टियां द्वारा घर–घर जाकर मतदान करा लिया गया है। प्रारूप 12 में कुल 753 मतदाताओं द्वारा आवेदन किया गया था, जिसमें से 724 बुजुर्ग तथा दिव्यांग मतदाताओं ने अपने वोट डाल दिए हैं।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाता तथा दिव्यांग मतदाता जिनके द्वारा बूथ पर जाकर मतदान करना हैं उन्हें बूथ तक लाने हेतु निर्वाचन विभाग की ओर से सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की है। प्रत्येक बूथ में वॉलिंटियर्स के साथ ही विभिन्न कार्मिकों को तैनात किया गया है।

शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी कार्मिकों एवं वॉलिंटियर्स के अलावा स्कूलों के प्रधानाचार्य के साथ वर्चुअली बैठक कर मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदाताओं को बूथ तक लाने हेतु आवश्यक सहयोग करने तथा उन्हें मतदान हेतु प्रेरित करने को कहा। उन्होंने कहा कि जो स्कूली बच्चे वॉलिंटियर्स का कार्य कर लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी दे रहे हैं उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। जिससे वह मतदान के महत्व के बारे में भी समझ पाएंगे। वर्चुअल बैठक में सीडीओ राजेन्द्र सिंह रावत सहित अन्य उपस्थित रहे। उपचुनाव में 1406 सर्विस मतदाता ऑनलाइन मत पत्रों के जरिए मतदान करेंगे।

सीएमओ आफिस पर गरजी आधी आबादी

संवाददाता बागेश्वर। वीरागंना ग्राम पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन सीएमओ कार्यालय पर गरजा। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का तत्काल निदान करने की मांग की। चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को दरकिनार किया गया तो वह सड़कों पर उतर कर अपने हकों की जंग शुरू करेंगे। शुक्रवार को महिला संगठन नारेबाजी के साथ सीएमओ कार्यालय धमका। वहां प्रदर्शन किया। कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ के हाल बेहाल हैं। वहां एक महिला डाक्टर हैं। वह अवकाश पर रहती हैं तो अतिरिक्त महिला डाक्टर नहीं होने से गर्भवतियों को परेशानी होती है। सरकार के लाख दावों के बावजूद दवा बाहर से लिखी जा रही है। सुदूर गांवों से आने वाली गर्भवती और बच्चों को दवा की पर्ची लेकिर दर–दरक भटकना पड़ रहा है।

छात्र–छात्राओं को नहीं हो पा रहा विविध खेलों का ज्ञान

संवाददाता अल्मोड़ा। एक ओर सरकार खेलों के उन्नयन को अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में गिनाती है। नीति नियंताओं की ओर से बार–बार यह कहा जाता है कि खेलों के क्षेत्र में भी भविष्य निर्माण की अपार संभावनाएं हैं। वहीं जनपद में संचालित कुल 298 शासकीय व अशासकीय विद्यालयों में से करीब 140 स्कूलों में खेल प्रशिक्षक ही नहीं हैं।

जिला मुख्यालय व इसके आसपास के कुछ स्कूलों को छोड़ दिया जाए तो ग्रामीण क्षेत्रों के माध्यमिक स्कूलों में खेल गतिविधियों का बुरा हाल है। पृथक उत्तराखंड राज्य गठन के बाद अभिभावकों व उनके पाल्यों को विश्वास था की माध्यमिक विद्यालयों में खेल सुविधाओं का विस्तार होगा। वहीं राज्य गठन के 21 सालों बाद भी ऐसा नहीं हो पाया है। कहीं स्कूलों में खेल मैदान ही नहीं हैं तो कहीं खेल प्रशिक्षकों का टोटा बना हुआ है।

खिलाड़ियों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं शासन की ओर से संचालित की जा रही हैं। जिन स्कूलों में खेल प्रशिक्षकों के पद खाली हैं। उन स्कूलों की सूची शिक्षा निदेशालय को भेजी गई है।

– सुभाष चंद्र भट्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी, अल्मोड़ा।

कई स्कूलों में शिक्षा सत्र शुरू होने के 56 दिनों बाद भी खेल गतिविधियां शुरू नहीं हो पाई हैं। ऐसे में छात्र–छात्राओं को बाक्सिंग, कबड्डी, हाकी, वालीबाल, खो–खो आदि खेलों के बारे में जानकारी नहीं मिल पा रही है।

हालात यह हैं कि कई ऐसे विद्यालय हैं, जहां खेल प्रशिक्षक के पद स्वीकृत हैं, परंतु वहां पद अरसे से खाली पड़े हैं। वहीं कई माध्यमिक स्कूल ऐसे हैं, जहां खेल प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षक) के पद ही स्वीकृत नहीं हैं। विद्यालयों के शिक्षक–अभिभावक संघ, विद्यालय प्रबंधन समिति व विद्यालय विकास प्रबंध समिति तथा विविध खेल संगठन यह मांग अरसे से उठा रहे हैं, इसके बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

चारधाम यात्रा में घोड़ों खच्चरों का हो रहा शोषणः नलिनी तनेजा

संवाददाता देहरादून । नवोत्थान सोसाइटी द्वारा देहरादून के उत्तरांचल प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया । प्रेस वार्ता करते हुए नवोत्थान सोसाइटी की संस्थापक नलिनी तनेजा ने कहा कि चारधाम यात्रा में घोड़ो खच्चरों का शोषण हो रहा है उसके खिलाफ एक जुट होकर आवाज उठा रहे है इसलिए हमारी संस्था सरकार और मंदिर सीमित से मेरा कुछ प्रश्न जिसमे 14 से 19 किलोमीटर गौरीकुंड से केदारनाथ की पैदल यात्रा है उसमें घोड़ो खच्चरों का पैदल यात्रा में उपयोग करते समय इनकी देख रेख के लिए क्या ठोस कदम उठाया गया है। एक आंकड़े के अनुसार 2300 घोड़ो खच्चरों का रजिस्ट्रेशन किया गया है बाकी घोड़ो खच्चरों का रजिस्ट्रेशन क्यों नही। नलिनी ने बताया कि इन जानवरों को हरा चारा नही मिल रहा है । इनकी मृत्यु का प्रमुख कारण ग्लेशियर के बर्फ का पानी पीना भी है। नलिनी तनेजा ने मांग करते हुए कहा कि इन घोड़ो और खच्चरों का रूटीन हेल्थ जॉच होनी चाहिये।